Toppersnotes®
Unleash the topper in you

बिहार

मद्य निषेध सिपाही/कक्षपाल

केंद्रीय चयन पर्षद सिपाही भर्ती (CSBC)

भाग - 3

सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	संज्ञा	1
2	सर्वनाम	3
3	विशेषण	5
4	क्रिया	8
5	कारक	11
6	संधि	14
7	समास	26
8	उपसर्ग	36
9	प्रत्यय	40
10	तत्सम व तद्भव शब्द	45
11	विलोम शब्द	50
12	पर्यायवाची शब्द	56
13	वर्तनी शुद्धि	61
14	वाक्य एवं वाक्य प्रकार	66
15	वाक्य रचना	71
16	वाक्य के एक शब्द	75
17	मुहावरे	83
18	लोकोक्तियाँ	91
19	Noun (संज्ञा)	98
20	Pronoun (सर्वनाम)	104
21	Adjective (विशेषण)	107
22	Adverb (क्रिया विशेषण)	113
23	Verb (क्रिया)	120

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Conjunction (संयोजक)	127
25	Preposition (उपसर्ग)	133
26	Article (लेख)	150
27	Time and Tense (समय और काल)	154
28	Subject–Verb Agreement (कर्ता क्रिया अनुबंध)	158
29	Voice (वाच्य)	162
30	Narration (कथन)	166
31	Sentence Improvements (वाक्य सुधार)	175
32	Conditional Sentences (सशर्त वाक्य)	181

1 CHAPTER संज्ञा

- वे विकारी शब्द जो किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव, अवस्था, गुण या दशा के नाम का बोध करते हों संज्ञा कहलाते हैं।
- संज्ञा शब्द दो शब्दों **सम्** + **ज्ञा** से मिलकर बना है अर्थात् वह प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव) जिसका कोई नाम है वह संज्ञा है।

संज्ञा के प्रकार

- संज्ञा के मूलत: 3 भेद /प्रकार हैं। जो व्युत्पत्ति के आधार पर हैं। परन्तु दो अन्य भेद अर्थ के आधार पर भी माने गए है।

व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के प्रकार

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों से किसी एक विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम का बोध हो, उन्हें**'व्यक्तिवाचक संज्ञा'** कहते हैं।
   उदाहरण : अभिषेक, जयपुर, रमा, रहीम , अरावली ,समुद्रगुप्त, गंगा, कामायनी, सुशील आदि।
2. **जातिवाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों से एक ही प्रकार की सम्पूर्ण जाति, वर्ग अथवा समुदाय का बोध हो, उन्हें**'जातिवाचक संज्ञा'** कहते हैं। इसमे मुख्यत: समूहवाचक शब्द आते हैं ।
   उदाहरण : पुरुष, शहर, पशु, मुनष्य, सेना, पर्वत, सभा, गाय, डॉक्टर , नगर , बालक, लडकी, आदमी, दोस्त, पुस्तक , पहाड़ , लड़का, जुलाहा, मंत्री, बहन, लेखक आदि।
3. **भाववाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों सें प्राणियों और वस्तुओं के गुण-दोष, धर्म, अवस्था, भाव और व्यापार आदि का बोध हो, उन्हें **'भाववाचक संज्ञा'** कहते है।
   उदाहरण : अच्छाई, मिठास, गर्मी, बुढ़ापा, सुन्दरता, नारीत्व, चतुरता, बचपन, दाम, क्रोध, गर्व, दौड़, अनुशासन इत्यादि ।

भाववाचक संज्ञा का निर्माण

- भाववाचक संज्ञा का निर्माण 5 प्रकार से किया जा सकता है।

1. **जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा**
   (i) **'ता' प्रत्यय:** मानव-मानवता, मित्र-मित्रता, प्रभु-प्रभुता, पशु-पशुता।
   (ii) **त्व प्रत्यय :** पशु-पशुत्व, मनुष्य-मनुष्यत्व, कवि-कवित्व, गुरु-गुरुत्व।
   (iii) **पन :** लड़का-लड़कपन, बच्चा-बचपन ।
   (iv) **अ :** शिशु-शैशव, गुरु-गौरव, विभु-वैभव।
   (v) **इ :** भक्त-भक्ति ।
   (vi) **ई :** नौकर-नौकरी, चोर-चोरी।
   (vii) **आपा :** बूढ़ा-बुढ़ापा, बहन-बहनापा।
2. **सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा :**
   (i) **त्व : अपना -** अपनत्व, निज निजत्व, स्व-स्वत्व ।
   (ii) **पन : अपना -** अपनापन, पराया-परायापन ।
   (iii) **कार : अहं** - अहंकार।
   (iv) **स्व: सर्व -** सर्वस्व ।
3. **विशेषण से भाववाचक संज्ञा :**
   (i) **आई :** साफ-सफाई, अच्छा अच्छाई, बुरा-बुराई।
   (ii) **आस :** खट्टा-खटास, मीठा-मिठास ।
   (iii) **ता :** उदार-उदारता, वीर वीरता, सरल-सरलता ।
   (iv) **य :** मधुर -माधुर्य, सुन्दर-सौन्दर्य, स्वस्थ-स्वास्थ्
   (v) **पन :** खट्टा- खट्टापन, पीला-पीलापन।
   (vi) **त्व :** वीर -वीरत्व।
   (vii) **ई :** लाल लाली।

4. **क्रिया से भाव-वाचक संज्ञा :**
   (i) **अ:** खेलना-खेल, लूटना लूट, जीतना-जीत।
   (ii) **ई:** हँसना-हँसी।
   (iii) **आई:** चढ़ना चढ़ाई, पढ़ना-पढ़ाई, लिखना-लिखाई।
   (iv) **आवट:** आवट-बनाना-बनावट, थकना-थकावट, लिखना-लिखावट।
   (v) **आव :** चुनना-चुनाव।
   (vi) **आहट:** घबराना-घबराहट, गुनगुनाना-गुनगुनाहट ।
   (vii) **उडना** : उड़ान।
   (viii) **न** : लेना-देना लेन-देन, खाना-खान।
5. **अव्यय से भाववाचक संज्ञा**
   (i) **ई :** भीतर-भीतरी, ऊपर, ऊपरी दूर-दूरी।
   (ii) **य :** समीप सामीप्य ।
   (iii) **इक :** परस्पर -पारस्परिक, व्यवहार - व्यावहारिक ।
   (iv) **ता :** निकट निकटता, शीघ्र शीघ्रता।

अर्थ के आधार पर संज्ञा के प्रकार

1. **समूहवाचक संज्ञा :** जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह या समुदाय का बोध होता है, उसे **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे – सभा, परिवार, कक्षा, दल, गिरोह, संघ, गुच्छा, पुंज, ढेर।
2. **द्रव्य वाचक संज्ञा:** जिन संज्ञा शब्दों से किसी ऐसे पदार्थ या द्रव्य का बोध होता है जिसे हम नाप – तौल सकते हैं लेकिन गिन नहीं सकते उन्हें द्रव्य वाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे – दूध, पानी, पेट्रोल, सोना, लोहा, कोयला, लकड़ी, कागज, चीनी, आटा, घास।

क्या आप जानते हैं?

- जब कभी द्रव्यमान संज्ञा शब्द बहुवचन के रूप में द्रव्य के प्रकारों का बोध कराता है।, तब वह जातिवाचक संज्ञा बन जाता है। जैसे - यह फर्नीचर कई प्रकार के लकड़ियों से बना है।
- जब समूहवाचक संज्ञा बहुत सी समूह ईकाइयों को प्रकट करता है, तब बहुवचन में प्रयुक्त होता है। जैसे दोनों सेनाएँ आपस में जमकर लड़ी।
- जब कभी भाववाचक संज्ञा शब्द बहुवचन में प्रयुक्त होते है, तब वे जातिवाचक संज्ञा बन जाते है। जैसे बुराईयों से बचकर रहो।
- कुछ भाववाचक शब्द मूल शब्द है। जैसे प्रेम, घृणा, क्रोध आदि।
- अधिकांश भाववाचक शब्द यौगिक होते है -गरीब-गरीबी। लड़का-लड़कपन
- भावचावक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम, अव्यय और क्रिया शब्दों के अंत में त्व, ता, वन, पा, आस, आई, वट, हट इत्यादि प्रत्यय लगाकर बनाई जाती है। जैसे मित्र-मित्रता, अपना-अपनत्व, लम्बा-लम्बाई आदि।

Toppersnotes Unleash the topper in you

2 CHAPTER सर्वनाम

- संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- भाषा में सौन्दर्य, संक्षिप्तता, सरलता एवं पुनरुक्ति दोष से बचने व दूर करने के लिए संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम शब्द का प्रयोग किया जाता है।
- सर्वनाम का शाब्दिक अर्थ है 'सब का नाम'। इससे वाक्य सहज एवं सरल हो जाता है।

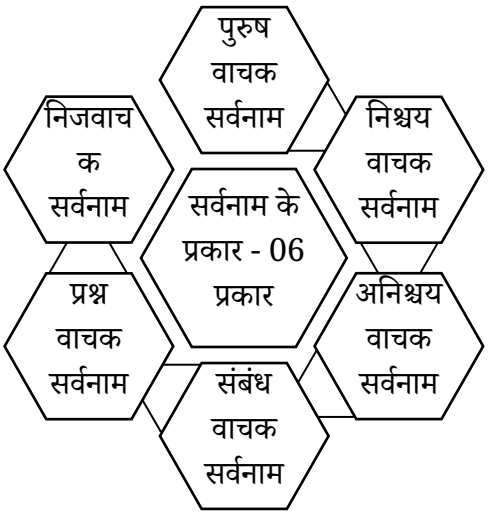

1. **पुरुष वाचक सर्वनाम** – जिन शब्दों का प्रयोग कहने वाले (वक्ता), सुनने वाले (श्रोता) व अन्य जिसके विषय में कहा जाए के स्थान पर किया जाता है, उन्हें पुरुष वाचक सर्वनाम कहते हैं।

   पुरुष वाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं :

पुरुष वाचक सर्वनाम		
उत्तम पुरुष	**मध्यम पुरुष**	**अन्य पुरुष**
वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला व्यक्ति स्वयं के लिए करता है।	वे सर्वनाम शब्द जो श्रोता को संबोधित करने में प्रयोग किये जाए ये सर्वनाम शब्द सुनने वाले के लिए प्रयुक्त किये जाते हैं।	बोलने व सुनने वाले व्यक्ति के द्वारा किसी अन्य के बारे में बात की जाए या कुछ लिखा जाए, उनके नाम के बदले में प्रयुक्त होनेवाले सर्वनाम अन्य पुरुष सर्वनाम कहलाते हैं।
मैं, हम, मुझे, मेरा, हमारा, हमें आदि।	तू, तुम, तुझे तुम्हें तेरा, आप, आपका, आपको आदि।	वह, वे, उन्हें, उसे, इसे, उसका इसका आदि।

2. **निश्चयवाचक सर्वनाम** – जो सर्वनाम निकटस्थ अथवा दूरस्थ व्यक्ति या पदार्थ की ओर निश्चित संकेत करते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   - ✓ इसके मुख्य दो प्रयोग हैं :
     - I. **निकट की वस्तुओं के लिए -** यह, ये।
     - II. **दूर की वस्तुओं के लिए** - वह, वे।
3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** – जिस सर्वनाम से किसी ऐसे व्यक्ति या पदार्थ का बोध होता हो जिसके विषय में निश्चित सूचना नहीं मिलती तथा अनिश्चितता की स्थिति बनी रहती है, उसे अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं।

   जैसे - कुछ, कोई।
   - ✓ **'कोई'** सर्वनाम का प्रयोग प्रायः प्राणी वाचक सर्वनाम के लिए होता है, जैसे - कोई उसे बुला रहा है।
   - ✓ **'कुछ'** सर्वनाम का प्रयोग वस्तु के लिए होता है, जैसे - पानी में कुछ है, घी में कुछ मिला है।
4. **संबंधवाचक सर्वनाम** – दो उप वाक्यों के बीच में प्रयुक्त होकर एक उप वाक्य की संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे उप वाक्य के साथ दर्शाने वाला सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाता है, अर्थात् दो पृथक – पृथक बातों के मध्य सम्बन्ध व्यक्त करने वाले शब्दों को संबंधवाचक सर्वनाम कहा जाता है जैसे - जो, जिसे, जिसका, जिसको।

   उदाहरणार्थ – जो सोएगा, सो खोएगा।
   जिसकी लाठी उसकी भैंस।
   जो सत्य बोलता है, वह नहीं डरता।

5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम** – ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   जैसे- क्या, किससे, कौन।
   उदाहरणार्थ – वहाँ दरवाजे पर कौन खड़ा है?
   कल तुम किससे बात कर रहे थे?
   आज तुम्हें क्या चाहिए?
6. **निज वाचक सर्वनाम** – ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग वक्ता या लेखक (स्वयं) अपने लिए करते हैं, निज वाचक कहलाते हैं।
   जैसे - आप, अपना, स्वयं, खुद आदि।
   उदाहरणार्थ – मैं अपनी पुस्तक पढ़ रहा हूँ।
   आप अपने घर कब जा रहे हैं?
   मैं अपना खाना बना रहा हूँ।

सर्वनाम शब्दों के प्रयोग सम्बन्धी निर्देश

- सर्वनामों का रूप परिवर्तन पुरुष, वचन तथा कारक के अनुसार ही होता है, लिंग भेद के आधार पर नहीं।
- उत्तम पुरुष और मध्यम पुरुष बहुवचन रूप वाले सर्वनाम एक व्यक्ति के लिए भी प्रयोग किए जाते हैं, जैसे - मैं आऊँगा अर्थात् हम आएंगे। तू जाएगा अर्थात् तुम जाओगे।
- अन्य पुरुष वाचक बहुवचन रूप का आदर सूचक होने के कारण एक व्यक्ति के लिए प्रयोग किया जाता है, जैसे - गाँधी जी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। वे कई साल दिल्ली में रहे। या आप कई साल दिल्ली में रहे।
- संज्ञा में विभक्ति उसके साथ नहीं जुड़ती, जबकि सर्वनामों में विभक्तियाँ उन्हीं के साथ जुड़ी रहती हैं, जैसे - उसने, उसको, जिसका, इत्यादि । जैसे –
  - ✓ संज्ञा - राधा ने
  - ✓ सर्वनाम - उसने
- अभिमान व्यक्त करने या अधिकार व्यक्त करने के लिए भी 'मैं' के स्थान पर 'हम' अथवा 'हमारा' का प्रयोग किया जाता है, जैसे-
  - ✓ 'हम' कभी भी किसी से हारे नहीं। (अभिमान)
  - ✓ हमारा यह काम तुम्हें जरूर करना है। (अधिकार)
- अनिश्चय वाचक सर्वनाम 'कुछ' (एकवचन) संख्या एवं परिणाम दोनों का बोध कराते हैं, जैसे-
  - ✓ आपके यहाँ लहसुन होता है, कुछ हमारे यहाँ भी भेज दिया कीजिए। (परिणाम वाचक)
  - ✓ आपके घर इतने अतिथि आए हैं, कुछ को हमारे यहाँ भेज दीजिए। (संख्यावाचक)
- प्रश्नवाचक सर्वनाम 'कौन' का प्रयोग मनुष्यों तथा क्या का प्रयोग कीट-पतंगों, पशुओं और जड़ पदार्थों के लिए होता है, जैसे - अन्दर कौन बैठा है? इस डिब्बे में क्या है?
- **'कुछ'** और **'कोई'** का बहुवचन रूप कुछ और किन्हीं होता है। निर्जीव वस्तुओं और कीड़े-मकोड़ों के लिए **'कुछ'** का प्रयोग होता है। सजीव वस्तुओं के लिए **'कोई'** और **'किन्हीं'** शब्दों का प्रयोग होता है।
- प्रायः सभी सर्वनाम रूपों के साथ 'ही' अव्यय जोड़ा जा सकता है।

सर्वनाम पदबंध

- जो पदबंध वाक्य में सर्वनाम पदों का कार्य करते है,उन्हे सर्वनाम पदबंध कहते है।

  जैसे -
  - ✓ **चोट खाए तुम** भला क्या खेलेगो।
  - ✓ **मेरे रिश्तेदार में से** कोई समय पर नहीं पहुँचा।

3 CHAPTER विशेषण

- वे शब्द, जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें **विशेषण** कहते हैं।
- अत: विशेषता बताने वाले शब्दों को **'विशेषण'** कहा जाता है तथा विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताता है उसे **'विशेष्य'** कहते हैं।

विशेषण के कार्य

विशेषण के निम्नलिखित प्रमुख कार्य है -

- **विशेषण, संज्ञा और सर्वनाम के गुण-दोष को बतलाता है। जैसे -**
  - ✓ राधा पढ़ने में तेज है। (गुण का बोध)
  - ✓ लेकिन, वह डरपोक है। (दोष का बोध)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम की निश्चित संख्या या परिमाण बतलाता है। जैसे -**
  - ✓ दो लड़कें आये थे। (निश्चित संख्या का बोध)
  - ✓ दो लिटर दूध दो। (निश्चित परिमाण का बोध)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम की अनिश्चित संख्या या परिमाण बतलाता है। जैसे -**
  - ✓ कुछ लड़कियाँ आयी हैं। (अनिश्चित संख्या का बोध)
  - ✓ अधिक भोजन मत करो। (अनिश्चित परिमाण का बोध)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम के क्षेत्र को सीमित करता है। जैसे -**
  - ✓ लाल रूमाल लाओ। (सिर्फ लाल - काला, पीला नहीं)
  - ✓ उस कुत्ते को खिलाओ। (किसी खास कुत्ते को, दूसरे को नहीं)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम की दशा, अवस्था आदि बतलाता है। जैसे-**
  - ✓ तुम बीमार हो। (दशा का बोध)
  - ✓ मैं जवान हूँ। (अवस्था का बोध)

विशेषण के प्रकार

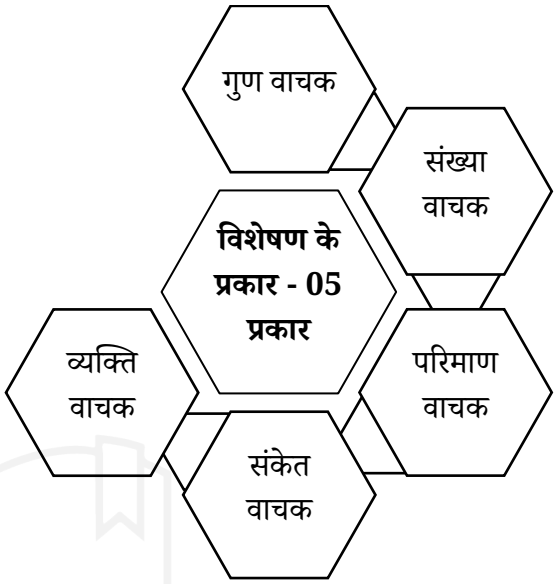

नोट : विशेषण के प्रकारों में विद्वानों में मतभेद रहता हैं, कुछ जगह विशेषण के पाँच प्रकार बताएँ गए हैं और कुछ जगह पर 04 प्रकार बताएँ गए हैं । **एनसीईआरटी के** आधार पर विशेषण के 04 प्रकार होते हैं – गुणवाचक, संख्यावाचक, परिणामवाचक, सर्वनामिक विशेषण । **राजस्थान शिक्षा बोर्ड** की पुस्तकों में विशेषण के 05 प्रकार बताएं गए हैं ।

1. **गुणवाचक विशेषण :** किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रूप, रंग, आकार, स्वभाव, दशा आदि का बोध कराने वाले शब्द गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

   जैसे- काला, पुराना, भला, छोटा, मीठा, देशी, पापी, धार्मिक आदि।

2. **संख्यावाचक विशेषण** : किसी संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित, अनिश्चित संख्या, क्रम या गणना का बोध कराने वाले शब्दों को संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

संख्या वाचक विशेषण

निश्चित संख्या वाचक विशेषण

जिस विशेषण शब्द से निश्चित संख्या का बोध होता है, निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाता है।

गणनावाचक	क्रमवाचक	आवृत्तिवाचक	समुदाय वाचक
एक, दो, तीन	पहला, दूसरा	दुगुना, चौगुना	दोनों, तीनों, चारों

अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

जिस विशेषण शब्द से अनिश्चित संख्या का बोध हो, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाता है।

कई, सब, कुछ, अनेक आदि।

3. **परिमाण वाचक विशेषण** : वे विशेषण, जो किसी पदार्थ की निश्चित या अनिश्चित मात्रा, परिमाण, नाप या तौल आदि का बोध कराते है, उन्हें परिमाण वाचक विशेषण कहते हैं।
   - ✓ **इसके दो उपभेद किए जा होते हैं**
     - **निश्चित परिमाण वाचक** – दो मीटर, पाँच किलो, सात लीटर।
     - **अनिश्चित परिमाण वाचक** – थोड़ा, बहुत, कम, ज्यादा, अधिक, जरा-सा, सब आदि।
4. **संकेतवाचक विशेषण** : वे शब्द जो सर्वनाम हैं किन्तु विशेषण के रूप में प्रयुक्त होकर किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।
   जैसे
   (i) इस गेंद को मत फेंको।
   (ii) उस पुस्तक को पढ़ो।
   (iii) वह कौन गा रही है?
   वाक्यों में 'इस', उस, वह आदि शब्द संकेतवाचक विशेषण हैं।
5. **व्यक्तिवाचक विशेषण :** वे शब्द, जो मूल रूप से व्यक्तिवाचक संज्ञाओं से बनकर अन्य संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहते हैं।
   जैसे – जोधपुरी जूती, बनारसी साड़ी, कश्मीरी सेब, बीकानेरी भुजिए। वाक्यों में जोधपुरी, बनारसी, कश्मीरी, बीकानेरी शब्द व्यक्तिवाचक विशेषण है।

विशेष : कतिपय विद्वान् एक और प्रकार – 'विभाग वाचक विशेषण' का भी उल्लेख करते हैं। जैसे- प्रत्येक हर एक आदि।

प्रविशेषण

- ऐसे शब्द जो विशेषण की विशेषता बतलाते हैं, प्रविशेषण कहलाते हैं ।
- प्रविशेषण सामान्यतः विशेषण के गुणों में वृद्धि लाता है।
  जैसे : थोड़ा, बहुत, अति, अत्यंत, अधिक, अत्यधिक, बड़ा, बेहद, महा, घोर, ठीक, बिल्कुल, लगभग आदि।

दूध मीठा है।	मीठा - संज्ञा की विशेषता = विशेषण
दूध थोड़ा मीठा है	थोड़ा - विशेषण की विशेषता = प्रविशेषण
वह पाँच बजे आएगा।	पाँच - संज्ञा की विशेषता = विशेषण
वह ठीक पाँच बजे आएगा।	ठीक - विशेषण की विशेषता = प्रविशेषण
स्पष्ट है कि उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त 'थोड़ा' एवं 'ठीक' शब्द प्रविशेषण हैं, क्योंकि ये विशेषण की विशेषता बतलाते हैं।	

विशेषण की रचना

- कुछ शब्द मूल रूप में विशेषण ही होते हैं किंतु कुछ संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया या अव्यय शब्दों के साथ प्रत्यय जोड़कर विशेषण बनाए जाते हैं, जैसे-

संज्ञा से विशेषण	**संज्ञा + प्रत्यय = विशेषण**	रंग + ईन = रंगीन राष्ट्र + ईय = राष्ट्रीय
सर्वनाम से विशेषण	**सर्वनाम + प्रत्यय = विशेषण**	मैं + एरा = मेरा तुम + हारा = तुम्हारा
क्रिया से विशेषण	**क्रिया + प्रत्यय = विशेषण**	वंदन + ईय = वंदनीय लूट + एरा = लुटेरा
अव्यय से विशेषण	**अव्यय + प्रत्यय = विशेषण**	बाहर + ई = बाहरी पीछे + ला = पिछला

विशेषण की अवस्थाएँ

- विशेषण की तुलनात्मक स्थिति को अवस्था कहते हैं। अवस्था के तीन प्रकार माने गये हैं-
  1. **मूलावस्था** – वह अवस्था जिसमें किसी संज्ञा या सर्वनाम की सामान्य स्थिति का बोध होता है।
     जैसे- रहीम अच्छा लडका है।
  2. **उत्तरावस्था** – वह अवस्था जिसमें दो संज्ञा या सर्वनाम की तुलना की जाती है।
     जैसे- अशोक रहीम से अच्छा है। या प्रशान्त अभिषेक से श्रेष्ठतर है।
  3. **उत्तमावस्था** – जिसमें दो से अधिक संज्ञा या सर्वनामों की तुलना करके, एक को सबसे अच्छा या बुरा बतलाया जाता है वहाँ उत्तमावस्था होती है।
     जैसे - अकबर सबसे अच्छा है। रजिया कक्षामें श्रेष्ठत्तम छात्रा है।

अवस्था परिवर्तन:

- मूलावस्था के शब्दों में 'तर' तथा तम प्रत्यय लगा कर या शब्द के पूर्व से अधिक, या सबसे अधिक शब्दों का प्रयोग कर क्रमश: उत्तरावस्था एवं उत्तमावस्था में प्रयुक्त किया जाता है, जैसे –

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
श्रेष्ठ	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
तीव्र	तीव्रतर	तीव्रतम
अच्छा	से अच्छा	सबसे अच्छा
ऊँचा	से अधिक ऊँचा	सबसे ऊँचा

विशेष्य - विशेषण और विधेय-विशेषण

- प्रयोग की दृष्टि से विशेषण के दो भेद है
  1. विशेष्य-विशेषण और
  2. विधेय-विशेषण
- **विशेष्य (संज्ञा/सर्वनाम)** के पहले आए विशेषण को **विशेष्य-विशेषण** तथा विशेष्य के बाद आए विशेषण को **विधेय-विशेषण** कहते हैं। जैसे-
  - ✓ वह लम्बा लड़का है। (लम्बा विशेष्य-विशेषण)
  - ✓ वह लड़का लम्बा है। (लम्बा विधेय-विशेषण)

  नोट - यहाँ दो बातें ध्यान देने योग्य हैं

1. **विशेषण के लिंग एवं वचन विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार होते हैं, चाहे विशेषण विशेष्य के पहले आए या बाद में। जैसे -**
   - ✓ वह अच्छा लड़का है। (अच्छा, लड़का - दोनों एकवचन, पुलिंग)
   - ✓ वह लड़का अच्छा है। (लड़का, अच्छा - दोनों एकवचन, पुलिंग)
   - ✓ वह अच्छी लड़की है। (अच्छी, लड़की - दोनों एकवचन, स्त्रीलिंग)
   - ✓ वे अच्छे लड़के हैं। (अच्छे, लड़के - दोनों बहुवचन, पुलिंग)

   स्पष्ट है कि विशेषण के लिंग एवं वचन, विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार आये हैं।
2. **अगर एक ही विशेषण के अनेक विशेष्य हों, तो विशेषण के लिंग और वचन प्रथम विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार होंगे। जैसे -**
   - ✓ उजला कुरता, टोपी और जूते लाओ। (प्रथम विशेष्य कुरता - पुंलिंग, अतः - उजला)
   - ✓ उजली टोपी, कुरता और जूते लाओ। (प्रथम विशेष्य टोपी - स्त्रीलिंग, अतः - उजली)
   - ✓ उजले जूते, कुरता और टोपी लाओ। (प्रथम विशेष्य जूते - एकारांत पुंलिंग, अतः - उजले)

   स्पष्ट है कि यहाँ एक विशेषण के अनेक विशेष्य हैं, लेकिन विशेषण के लिंग एवं वचन प्रथम विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार ही आये हैं।

सरल वाक्यों में विशेषण के स्थान

- सरल वाक्यों में विशेषण प्रायः संज्ञा के पहले आता है। जैसे -
  - ✓ वह अच्छा लड़का है। (संज्ञा के पहले विशेषण)
  - ✓ वह अच्छी लड़की है। (संज्ञा के पहले विशेषण)
- सार्वनामिक विशेषण भी संज्ञा के पहले आता है। जैसे -
  - ✓ यह फूल देखो। (यह - विशेषण)
  - ✓ वह लड़का आया है (वह - विशेषण)
- सरल वाक्यों में संज्ञा या सर्वनाम के बाद भी विशेषण आता है। जैसे -
  - ✓ सोहन नटखट है। (संज्ञा के बाद विशेषण)
  - ✓ वह बदमाश कहाँ गया ? (सर्वनाम के बाद विशेषण)

4 CHAPTER क्रिया

- वे शब्द या शब्द समूह जिनसे वाक्य में किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं।
- संस्कृत में क्रिया रूप को धातु कहते है। बिना क्रिया या धातु के किसी वाक्य की पूर्णता संभव नहीं है।

  जैसे – उठना, चलना, पढना, सोना आदि।

क्रिया के भेद

क्रिया का वर्गीकरण कई आधारों पर किया जा सकता है जो इस प्रकार है –

कर्म के आधार पर

- क्रिया शब्द का फल किस पर पड़ रहा है, वह किसे प्रभावित कर रहा है आदि आधारों पर किया जाने वाला भेद इसके अंतर्गत आता है।
- इस आधार पर क्रिया के मुख्यतः दो भेद हैं-

1. **सकर्मक क्रिया** : जिस क्रिया का फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है।
   - ✓ 'स' का प्रयोग 'सहित' के अर्थ में होता है, इसलिए सकर्मक का अर्थ हुआ - कर्म के साथ।
   - ✓ अतः इस क्रिया में कर्म की आवश्यकता होती है।

   जैसे –
   - ✓ बच्चा चित्र बना रहा है ।
   - ✓ गीता सितार बजा रही है।
   - ✓ मिठाई देखकर बच्चे ललचाते हैं।
   - ✓ बच्चा फल तोड़ रहा है ।

सकर्मक क्रिया

एक कर्मक

जिस वाक्य में क्रिया के साथ एक कर्म प्रयुक्त हो, उसे एक कर्मक क्रिया कहते हैं ।

- माँ पढ़ रही है।' यहाँ माँ के द्वारा एक ही कर्म (पढ़ना) हो रहा है।
- महर्षि वेदव्यास ने जयसंहिता लिखी।
- लड़का पुस्तक पढ़ता है।

द्विकर्मक क्रिया

जब वाक्य में क्रिया के साथ दो कर्म प्रयुक्त हुए हों तो उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं।

- अध्यापक जी छात्रों को भूगोल पढ़ा रहे हैं। इस वाक्य में 'पढ़ा रहे हैं' क्रिया के साथ 'छात्रों' एवम् 'भूगोल' दो कर्म प्रयुक्त हुए हैं। अतः 'पढ़ा रहे हैं' द्विकर्मक क्रिया है।
- सोहन ने मोहन को थप्पड़ मारा।

नोट: सकर्मक क्रिया के दो अन्य भेद इस प्रकार भी है –

1. **पूर्ण सकर्मक क्रिया** – जब किसी क्रिया को केवल एक कर्म की आवश्यकता हो व किसी पूरक शब्द की आवश्यकता न हो, वह कर्म सहित पूर्ण अर्थ देती हो, तो वह पूर्ण सकर्मक क्रिया कहलाती है।

   जैसे - उसने चिट्ठी लिखी।

2. **अपूर्ण सकर्मक क्रिया** – ऐसी क्रिया जिसे कर्म की आवश्यकता होती है, परंतु उसका अर्थ तब तक पूर्ण नहीं होता जब तक कि उसमें कोई पूरक शब्द न जोड़ा जाए, उसे अपूर्ण सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे - उसने उसे डाकघर भेजा।

2. **अकर्मक क्रिया :** वे क्रियाएँ जिनके साथ कर्म प्रयुक्त नहीं होता तथा क्रिया का प्रभाव वाक्य में प्रयुक्त कर्त्ता पर ही पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे –

- ✓ कुत्ता भौंकता है।
- ✓ कविता हँसती है।
- ✓ टीना सोती है।

अकर्मक क्रिया

अपूर्ण अकर्मक

ऐसी क्रिया जिसमें कर्ता के विषय में पूर्ण विधान के लिए किसी संज्ञा या सर्वनाम जैसे पूरक शब्दों की आवश्यकता होती है, अपूर्ण अकर्मक कहलाती है। यहाँ वाक्य में पूरा भाव अन्य शब्दों के सहारे व्यक्त होता है।

जैसे - वह कुर्सी पर बैठा है।

पूर्ण अकर्मक

जब कोई क्रिया अपने आप में पूर्ण अर्थ देती है और उसे किसी अन्य पूरक शब्दों की आवश्यकता नहीं होती तो उसे पूर्ण अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे - राम हँस रहा है।

अकर्मक क्रिया से सकर्मक क्रिया का निर्माण

- ➢ भाववाचक संज्ञा के रूप में अकर्मक क्रिया का प्रयोग करके सकर्मक क्रिया बनाई जा सकती है।
  जैसे - बढ़ना से-बढ़त, देवेन्द्र की आय में काफी बढ़त हो गई है।
- ➢ कुछ अकर्मक क्रियाओं के 'ट' को 'ड़' करने पर सकर्मक क्रियाएँ बनती हैं। जैसे –

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
फटना	फाड़ना
छूटना	छोड़ना

- ➢ दो अक्षरों वाली अकर्मक धातु के पहले या दूसरे स्वर को तथा तीन अक्षर वाली धातु के दूसरे अथवा तीसरे स्वर को दीर्घ करने से अकर्मक क्रिया सकर्मक बन जाती है, जैसे -

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
पकड़ना	पकड़ाना
मिलना	मिलाना

- ➢ अकर्मक क्रिया के 'इ' को 'ए' और 'उ' को 'ओ' कर देने से सकर्मक क्रिया बनती है, जैसे –

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
तुलना	तोलना
खुलना	खोलना

प्रयोग तथा संरचना के आधार पर क्रिया के भेद:

- ➢ वाक्य में क्रियाओं का प्रयोग कहाँ किया जा रहा है, किस रूप में किया जा रहा है आदि आधारों पर क्रिया के निम्न भेद होते हैं-

1. **सामान्य क्रिया** – जब किसी वाक्य में एक ही क्रिया का प्रयोग हुआ हो, उसे सामान्य क्रिया कहते हैं।
   जैसे - महेन्द्र जाता है। सन्तोष आई।
2. **संयुक्त क्रिया** – जो क्रिया दो या दो से अधिक भिन्नार्थक क्रियाओं के मेल से बनती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं।
   जैसे -
   - ✓ जया ने खाना बना लिया।
   - ✓ हेमराज ने खाना खा लिया।
   - ✓ घनश्याम रो चुका।
   - ✓ वह घर पहुँच गया।
3. **प्रेरणार्थक क्रिया** – वे क्रियाएँ, जिन्हें कर्त्ता स्वयं न करके दूसरों को क्रिया करने के लिए प्रेरित करता है, उन क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं
   जैसे -
   - ✓ दुष्यन्त हेमन्त से पत्र लिखवाता है।
   - ✓ कविता सविता से पत्र पढ़वाती है।
   - ✓ अध्यापिका छात्रों से गृहकार्य करवाती है।
   - ✓ शिक्षक ने छात्रों से पुस्तक पढ़वाई ।

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
कटना	काटना	कटवाना
सोना	सुलाना	सुलावना
उठ	उठाना	उठवाना

उड़	उड़ाना	उड़वाना
पढ़	पढ़ाना	पढ़वाना
सुन	सुनाना	सुनवाना
चल	चलाना	चलवाना
करना	कराना	करवाना
लिखना	लिखाना	लिखवाना
जागना	जगाना	जगवाना

4. **पूर्व कालिक क्रिया**: जब किसी वाक्य में दो क्रियाएँ प्रयुक्त हुई हों तथा उनमें से एक क्रिया, दूसरी क्रिया से पहले सम्पन्न हुई हो तो पहले सम्पन्न होने वाली क्रिया पूर्व कालिक क्रिया कहलाती है। किसी मूल धातु के साथ 'कर' या 'करके' लगाने से पूर्व कालिक क्रिया बनती है।

जैसे-

- ✓ धर्मेन्द्र पढ़कर सो गया।
- ✓ राधा ने स्नान करके भोजन किया।
- ✓ वह लेटकर खाता है।
- ✓ भीम दुर्योधन की छाती पर चढ़ बैठा।
- ✓ पंडित जी हवन करा कर कथा कह रहे हैं।

5. **नाम धातु क्रिया** – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्द जब क्रिया धातु की तरह प्रयुक्त होते हैं, उन्हें 'नाम धातु' क्रिया कहते हैं और इन नाम धातु शब्दों में जब प्रत्यय लगाकर क्रिया का निर्माण किया जाता है तब वे शब्द 'नाम धातु क्रिया' कहलाते हैं,

जैसे –

- ✓ नरेश ने सुरेश का कमरा हथिया लिया।
- ✓ उसने मेरी पूरी संपत्ति हथिया ली ।
- ✓ राम ने किसान की ज़मीन हथिया ली।

संज्ञा	**नामधातु**	**सर्वनाम शब्द**	**नामधातु क्रिया**	**विशेषण शब्द**	**नामधातु क्रिया**	**अनुकरणवाची शब्द**	**नामधातु क्रिया**
हाथ	हथिया	अपना	अपनाना	साठ	सठियाना	थप-थप	थपथपाना
शर्म	शर्माना			तोतला	तुतलाना	थर-थर	थरथराना
बात	बतियाना			नरम	नरमाना	कँप-कँप	कँपकँपाना
लोभ	लुभाना			गरम	गरमाना		

6. **कृदन्त क्रिया** – वे क्रिया पद जो क्रिया शब्दों के साथ प्रत्यय लगने पर बनते हैं, उन्हें कृदन्त क्रिया पद कहते हैं।
   जैसे - चल से चलना, चलता, चलकर। लिख से लिखना, लिखता, लिखकर ।
7. **सजातीय क्रिया** – वे क्रियाएँ, जहाँ कर्म तथा क्रिया दोनों एक ही धातु से बनकर साथ में प्रयुक्त होते हो,सजातीय क्रियाएँ कहलाती है।
   जैसे - भारत ने लड़ाई लड़ी।
8. **सहायक क्रिया** – किसी भी वाक्य में मूल क्रिया की सहायता करने वाले पद को सहायक क्रिया कहते हैं।
   जैसे - अरविन्द पढ़ता है। भानु ने अपनी पुस्तक मेज पर रख दी है।
9. **योजक क्रिया -** एक विशेष प्रकार की क्रिया है जो वाक्य में किसी संज्ञा या विशेषण को कर्ता से जोड़ती है ।
   जैसे - चूड़ी अच्छी थी।
10. **यौगिक क्रिया** - दो या दो से अधिक धातुओं के संयोग से यौगिक क्रिया बनती है।
    जैसे - चलना से चलाना , खाना से खिलाना , पढ़ना और राह से पढ़ता रहा , जा और गिरा से जा गिरा आदि ।

काल के आधार पर क्रिया के भेद:

काल के अनुसार क्रिया तीन प्रकार की होती है :-

1. **भूतकालिक क्रिया** – क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा बीते समय में (भूतकाल में) कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता है।
   जैसे - सरोज गयी। सलीम पुस्तक पढ़ रहा था।
2. **वर्तमान कालिक क्रिया** – क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा वर्तमान समय में कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता है। जैसे – विमला खाना बना रही है।
   जैसे - कमला गाना गाती है।
3. **भविष्यत् कालिक क्रिया** –क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा आने वाले समय में कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता हो, भविष्य कालिक क्रिया कहलाती है।
   जैसे – नीलम कल जोधपुर जायेगी। अशोक पत्र लिखेगा।

19 CHAPTER NOUN (संज्ञा)

- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun कहते हैं ।
- यह पाँच प्रकार की होती है –
  1. **Proper Noun** (व्यक्तिवाचक संज्ञा) – जब व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो ।
     Eg:- Ram, Delhi, Gita etc.
  2. **Common Noun** (जातिवाचक संज्ञा) – जब एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो ।
     Eg:- King, Boy, City, Girl etc.
  3. **Collective Noun** (समूहवाचक संज्ञा) – जब समूह का बोध हो है ।
     Eg:- Team, Herd, Committee, Army etc.
  4. **Material Noun** (द्रव्यवाचक संज्ञा) – जब ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएं बनायी जा सके ।
     Eg:- Gold, Silver, iron, wood etc.
  5. **Abstract Noun** (भाववाचक संज्ञा) – जब ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था का बोध हो जिन्हे देखा व छुआ नहीं जा सके, केवल महसूस किया जा सकता है ।
     Eg:- Honesty, Virtue, Kindness, Jealous etc.

Important Point

1. कुछ Noun ऐसे होते है जो देखने में Plural लगते है, परंतु अर्थ में Singular होते है ।
   Such as - Civics, Mathematics, Ethics, Politics, Economics, Mumps, Billiards, Athletics etc.
   Eg:- Civics is a good subject.
2. कुछ Noun देखने में singular लगते है, लेकिन अर्थ में Plural होते है ।
   Such as - Cattle, Gentry, Peasantry (किसानी), Poultry (मुर्गीफॉर्म), Clergy (पादरी लोग) etc.
   Eg:- Cattle are grazing in the field.
3. कुछ शब्द जैसे– Committee, Audience, Police, team, mob (भीड) देखने में Singular लगते है but अर्थ में Plural होते है ।
4. कुछ Noun का Use Singular form में किया जाता है, ये Uncountable Noun होते है ।
   Such as - Scenery, Furniture, information, advice, poetry, luggage, luck, language, business, knowledge, money, Jewelry.
   Eg:- He gave me information's (information).
   I like Shakespeare's poetries (Poetry).
5. कुछ Noun Singular व Plural दोनों में Use होते है।
   Such as –
   Dear, Fish, Crew, Family, team, counsel (परामर्श)
6. यदि किसी Noun से पूर्व Preposition आता है तो वह Singular noun होता है ।
   Eg:- Ship after ship is coming.
7. कुछ noun ऐसे होते है जिनमें 'S' लगाने से उनका अर्थ बदल जाता है ।
   Such as -
   Water – Waters (समुद्र)
   People – Peoples (बहुत से राष्ट्र के लोग)
   Iron – irons (बेडिया)
   Physic (दवा) – Physics (भौतिकी)
   Eg:- your physics is (are) poor.
8. Dozen (दर्जन), Gross, score, hundred, thousand, Million (10 Lac), Billion (100 Lac), Weight, stone, pair, units में एक जैसा प्रयोग होता है अर्थात् Singular or Plural दोनो में प्रयोग होता है ।
   Eg:- I have bought two dozens (Dozen) pencils.
   I have bought dozens of Bananas.

9. 'ICS' ending noun के पहले 'The' अथवा possessive, adjective, my, your, our का प्रयोग होने पर इनका अर्थ बदल जाता है अतः ये plural noun के रूप में बदल जाते है ।

   Eg.:- My mathematics are not very good.

10. (i) Cloths – बिना सिले हुए
    Clothes – सिले हुए
    (ii) Cost - कीमत
    Price – कीमत
    - Cost का use amount of paid by the shopkeeper के अर्थ में होता है ।
    - जबकि price का अर्थ Amount Paid by customer के रूप में होता है ।

      Eg :- The price of production of automobile items has gone up. (The cost of)

      Eg :- Sometimes buyers (खरीदने वाला) have to pay higher costs for items. (Higher price)

11. 'House' का प्रयोग A building to live in के अर्थ में करते है ।

    Eg :- Quarters are homes allotted for a definite period. (×)

    Quarters are houses allotted for a definite period. (✓)

12. कुछ Nouns का प्रयोग Plural form में ही होता है । इनके अंतिम में लगे 'S' को हटाकर singular नहीं बनाया जा सकता है ।

    Scissors, tongs, pliers, trousers, plants, pajamas, shorts, gallus, Spectacles, binoculars, alms, amends, fireworks, outskirts, particulars etc.

    Eg:- All his assets were seized.

    Alms are given to the beggars.

13. Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural noun में नहीं होता है ।

    Eg :- He gave me two hundred rupees notes. (×)
    He gave me two hundred rupee notes. (✓)
    He stays in five stars hotels. (×)
    He stays in five star hotels. (✓)

14. Common Gender Nouns

    जैसे– teacher, student, child, clerk, advocate, worker, writer, leader, musician etc. dual gender noun होते है । इनके साथ सामान्य तथा he/his/him प्रयोग करते है ।

    Eg :- Every leader should perform his duty.
    A teacher should perform his duty sincerely.

15. कुछ nouns का प्रयोग लोग बोल–चाल की भाषा में करते है लेकिन वास्तव में उनका प्रयोग करना बिलकुल गलत होता है ।

    Eg:-

	गलत प्रयोग	सही प्रयोग
1.	Cousin brother or cousin sister	Cousin
2.	Pickpocketer	Pickpocket
3.	Good name	Name
4.	Big/small blunder	Blunder (blunder का अर्थ होता है बडी भूल। अतः big का प्रयोग गलत है।)
5.	Strong breeze	Strong wind (Breeze हमेशा light एवं gentle होता है।)
6.	Bad dream	Nightmare

16. निम्नलिखित nouns में भी हमें confusion रहता है–

1.	Floor (फर्श)	Ground (जमीन)
2.	skill (सीख कर प्राप्त करते हैं)	Talent Inborn (जन्म से होता है ।)
3.	Envy (ईर्ष्या जो दूसरों की चीजों को देख कर होती है ।)	Jealousy (ईर्ष्या जो अपनी चीजों के खोने के डर से होती है ।)

17. कुछ nouns के singular एवं plural forms के अर्थ पूर्णतया अलग होते हैं, अतः इनका प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए ।

Eg :-

Singular	**Meaning**	**Plural**	**Meaning**
Air	(हवा)	Airs	(दिखावटी व्यवहार)
Return	(वापसी)	Returns	(आय का हिसाब)
Iron	(लोहा)	Irons	(जंजीर)
Sand	(रेत)	Sands	(रेगिस्तान)
Wood	(लकडी)	Woods	(जंगल)
Abuse	(दुरूपयोग)	Abuses	(कुरूतियाँ)
Good (adj.)	(अच्छा)	Goods	(सामान)
Water	(पानी)	Waters	(समुद्र)
Work	(काम)	Works	(साहित्य लेख)
Fruit	(फल जैसे सेब इत्यादि)	Fruits	(नतीजा) (मेहनत इत्यादि का)
Wit	(वाक्पटुता)	Wits	(बुद्धिमता)

18. कुछ विदेशी भाषा के Nouns के Plural forms नीचे दिये गए हैं –

Singular	**Plural**
Agendum (कार्यक्रम)	Agenda
Erratum (छापेखाने की भूल)	Errata
Alumnus (विद्यार्थी)	Alumni
Axis (धुरी)	Axes
Analysis (विश्लेषण)	Analyses
Bacillus (हानिकारक कीटाणु)	Bacilli
bandit (लुटेरा)	Banditti (bandits)
Bacterium (कीटाणु)	Bacteria
Basis (आधार)	Bases
Criterion (कसौटी)	Criteria
Crisis (संकट)	Crises
Datum (जानी हुई बात)	Data
Dictum (सिद्धान्त)	Dicta
Formula (सूत्र)	Formulae/formulas
Memorandum (स्मृतिपत्र)	Memoranda
Sanatorium (स्वास्थ्यवर्द्धक स्थान)	Sanatoria
Phenomenon (घटना)	Phenomena
Thesis (अनुसंधानपूर्ण लेख)	Theses
Medium (माध्यम)	Media
Radius (त्रिज्या)	Radii
oasis (रेगिस्तान की हरी–भरी भूमि)	Oases
Series (क्रम)	Series
species (जाति)	Species
Apparatus (यंत्र)	Apparatus
Terminus (अंत)	Termini
Index (सूची)	Indices
Hypothesis (शर्त/उपकल्पना)	Hypotheses
Parenthesis (निक्षीप्त वाक्य)	Parentheses
Genius (विद्वान, प्रतिभाशाली व्यक्ति)	Genii/Geniuses
Metamorphosis (कायान्तरण)	Metamorphoses
Narcosis (बेहोशी)	Narcoses

Diagnosis (रोगी का निर्णय)	Diagnoses
Album (संग्रह पुस्तक)	Albums
Mausoleum (मकबरा/समाधि)	Mausoleums, Mausolea
Forum (मंच/न्यायालय)	Forums
Premium (किश्त)	Premiums
Museum (संग्रहालय)	Museums
Auditorium (श्रोताकक्ष)	Auditoriums
Aquarium (जल–जीवशाला)	Aquariums/Aquaria
Curriculum (पाठ्यक्रम)	Curriculums/Curricula
Stadium (स्टेडियम)	Stadiums
Harmonium (हारमोनियम)	Harmoniums
Gymnasium (व्यायामशाला)	Gymnasiums
Asylum (आश्रम)	Asylums

Some Important Collective Noun -

बाल का समूह	-	Turp of hair
गुथे बालों का समूह	-	Shock of hair
श्रोताओं की मण्डली	-	An assembly of listeners
न्यायाधीशो की मण्डली	-	A bench of Judges
कूड़े–कचरे का ढेर	-	heap of rubbish
मुर्गी के बच्चों का समूह	-	flock of chickens
सोने का ढेर	-	hoard of gold
राज्यों का संगठन	-	league of states
अनाजों का ढेर	-	A sheaf of corn
हथियारों का ढेर	-	Piles of arms
अध्ययन का पाठ्यक्रम	-	A syllabus of studies
सैनिकों का समूह	-	Regiment of soldiers
दीमकों का झुंड	-	A colony of termites

Collection of people -

A brigade of cavalry.	(घुड़सवार सैनिकों का दल)	A contingent of boy scouts.	(स्काऊट के लडकों का दल)
A brigade of infantry.	(पैदल सैनिकों का दल)	A corporation of people.	(लोगों की मंडली)
A brigade of artillery.	(आग्नेयास्त्र चलाने वाले सैनिकों का दल)	A corps of volunteers.	(स्वयंसेवकों का समूह)
A batch of pupils.	(शिष्यों का समूह)	A multitude of people.	(लोगों की भीड)
An assembly of representatives.	(प्रतिनिधियों की मंडली)	A muster of troops.	(सैनिकों का दल)
A caravan of pilgrims.	(तीर्थयात्रियों का काफिला)	A panel of judges.	(न्यायाधीशों का समुदाय)
A caravan of merchants.	(व्यापारियों का कारवाँ)	A panel of jurymen.	(अभिनिर्णायकों का समूह)

A bench of judges.	(न्यायाधीशों की मंडली)	A pack of fools.	(मूर्खों का झुंड)
A circle of friends.	(मित्रों की मंडली)	A pack of knaves.	(धूर्तों/पापियों/दुष्टों का झुंड)
A circle of acquaintances.	(परिचितों की मंडली)	A platoon of musketeers.	(बंदूक लिये हुए फौजियों का दल)
A clique of schemers.	(उपाय रचने वालों की मंडली)	A posse of policemen.	(सिपाहियों का सशक्त दल)
A colony of people.	(लोगों की नई बस्ती)	A procession of people.	(लोगों का जुलूस)
A company of actors.	(अभिनेताओं की मंडली)	A queue of people.	(लोगों की कतार/पंक्ति)
A company	A company	A senate of councilors.	(सभासदों की समिति)
of merchants.	of merchants.	A senate of university members.	(विश्वविद्यालय के सदस्यों की समिति)
(व्यापारियों की मंडली)	(व्यापारियों की मंडली)	A squad of soldiers drilling.	(ड्रील करने वाले सैनिकों का झुंड)
A concourse	A concourse	A staff of officials.	(अधिकारियों का समूह)
of people.	of people.	A staff of servants.	(नौकरों का समूह)
(लोगो का समूह)	(लोगो का समूह)	A stream of visitors.	(अभ्यागतों/भेंट करने वालों का समूह)
A conference of preachers.	A conference of preachers.	A string for coolies.	(कुलियों की पंक्ति)
A congress of delegates.	(प्रतिनिधियों की सभा)	A school of thinkers.	(विचारको का झुंड)
A contingent of army personnels.	(थल सैनिकों का दल)	A school of learned men.	(विद्वानों का समूह)

Collection of animals, birds and insects -

A troop of lions.	(शेरों का झुंड)	A swarm of flies.	(मक्खियों का झुंड)
A troop of monkeys.	(बंदरों का झुंड)	A swarm of bees.	(मधुमक्खियों का झुंड)
A train of donkeys.	(गधों का समूह)	A swarm of locusts.	(टिड्डों का झुंड)
A team of horses.	(घोडों का समूह)	A stud of ponies.	(छोटे घोडों का झुंड)
A team of oxen.	(बैलों का झुंड)	A stud of horses.	(घोडों का झुंड)

Some Important Abstract Noun

Adjective	Abstract Noun	Verb	Abstract Noun
Able	Ability	Belong	Belongings
Brief	Brevity	Allow	Allowance
Careful	Carefulness	Accede	Access
Capable	Capability	Admit	Admission
Efficient	Efficiency	Attend	Attendance
Faithful	Faithfulness	Choose	Choice
Hard	Hardship	Carry	Carriage

Excellent	Excellence	Consume	Consumption
Curious	Curiosity	Deceive	Deceit
Careless	Carelessness	Practice	Practice
Busy	Business	Behave	Behavior
Active	Activity	Arrive	Arrival

Words Denoting Group -

Lions	-	Pride (Female), Coalition (male)
Dogs	-	Kennel, Pack (आवारा, शिकारी कुत्ते)
Trees	-	Woodland, Grove (बडे वृक्षों, छोटे पौधों)
Tigers	-	Ambush, Streak
Ships	-	Fleet, Armada (Normal ships, war ships)
Sheep's	-	Flock, Herd, Mob
Fish	-	School, Shoal (बहुत सारे shoal एक line में आ जाये)
Magicians	-	Wizard, Warlock (+ve effects, -ve effects)
People	-	Crowd, Mob (disarrange group, अव्य भीड)
Puppy	-	Litter of puppies

Noun and Gender -

Gender

Masculine	–	Poet, horse, fox
Feminine	–	Poetess/ Mare/ Vixen
Neuter	–	Chair, Pen
Common	–	Friend/ Student

Masculine	**Feminine**
Tutor (नीति शिक्षक)	Governess (नीति शिक्षिका)
Nephew (भतीजा)	Niece (भतीजी)
Groom (दुल्हा)	Bride (दुल्हन)
Wizard (जादूगर)	Witch (जादुगरनी)
Lover (प्रेमी)	Beloved (प्रेमिका)
Lord (स्वामी)	Lady
Gander (हंस)	Goose (हंसीनी)

- कुछ शब्दों को Feminine मानते है अतः इनके साथ Pronoun Her, Hers, She या herself लगाते है।
  Such as - The moon, The earth, Nature, Spring, Virtue, Charity, mercy, peace, ship, river, nation, fame, city, liberty.
  Eg :- The moon shed <u>its</u> (her) light on the bank.
  Love virtue <u>it</u> (she) is alone free.
- The Sun, time, death, wind, Summer, thunder, Ocean, love, war, wine को masculine माना जाता है । इनके साथ He, his, him, himself का Use करते है।
  Eg :- Death lays her (his) icy hand or king.
- Everything, something, anything, nothing, indefinite pronoun है, ये neuter gender को प्रकट करते है ।
  Eg :- Everything should be kept in his (×) /its (✓) order.
  This is Mohan's Pen. (यह मोहन का पेन है ।)
  This is the door of the house. (यह घर का दरवाजा है ।)
  This is Girl's college. (यह लडकियों का विद्यालय है ।)
- यदि दो noun and से जुडे हो तो उनके बीच close relation ना हो तो दोनों nouns के (अलग–अलग अधिकार के अर्थ में) साथ Apostrophe's का प्रयोग करते है।
  Eg:- Mohan's and Sohan's house. (मोहन का घर और सोहन का घर ।)

Note : - यदि सम्मिलित अधिकार की बात है तो last noun के साथ Apostrophe's लगाते है ।

Eg:- Mohan and Sohan's house.